

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3 -Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 468] नई विल्ली, सोमवार, अक्तूबर 23, 1978/कार्तिक 1, 1900

No. 468] NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 23, 1978/KARTIKA 1, 1900

इस भाग म^{*} भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप मैं रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

उष्णीग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आवृंश

नई पिल्ली, 23 अक्तूबर, 1978

का. आ. 607(अ)/18क/आई.डी.आर.ए./78.—उद्योग (विकास आँर विनिधमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के भूतपूर्व आँद्धारिक विकास मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 14(अ) दिनांक 3 जनवरी, 1974 में निम्निलिखित और संशोधन करती हैं. अर्थात् :—

उक्त आदेश में कम संख्याएं 2 और 3, और उससे संबंधित प्रविध्टियों के स्थान पर निम्निसिस कम संख्याएं और प्रविष्टियां रखी जाएंगी. अर्थास :--

"2. श्री ए. एस² पुरी, महाप्रबन्धक (योजना), स्टोट व¹¹क आफ इंडिया का स्थानीय मुख्य कार्यालय, बम्बई ।

श्री एच. एस. मंहता,
भारतीय जीवन बीमा निगम,
बम्बर्ड ।"

[सं. फा. 2/16/73-सी.यू.सी] पी. सी. नायक, संयुक्त सर्विक

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 23rd October, 1978

S.O. 607(E)/18A/IDRA/78.—In exercise of the powers conferred by section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following further amendment in the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S. O. 14(E) dated the 3rd January, 1974, namely:—

In the said Order for serial Nos. 2 and 3 and the entries relating thereto, the following serial numbers and entries shall be substituted, namely:—

- "2. Shri A. S. Puri, General Manager (Planning), Bombay Local Head Office, State Bank of India.
- Shri H. S. Mehta, Life Insurance Corporation of India, Bombay."

[F. No. 2/16/75-CUC.] P. C. NAYAK, Joint Secy.